अहमदनगर जिला मराठा विद्या प्रसारक समाज द्वारा संचालित

न्यू आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस कॉलेज, अहमदनगर

(स्वायत्त)

(सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे से संलग्न)

विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (CBCS)

बी.ए. स्नातक

Bachelor of Arts (B. A.)

पुनर्रचित पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.) (हिंदी)

तृतीय एवं चतुर्थ अयन (Third & Fourth Semester)

Implemented from

Academic year 2022 -23

Ahmednagar Jilha Maratha Vidya Prasarak Samaj's

New Arts, Commerce and Science College, Ahmednagar (Autonomous)

Board of studies in Hindi

Sr. No.	Name	Designation
1.	Prof. Dr. Hanumant Jagtap	Chairman
2.	Prof. Dr. Ashok Gaikwad	Member
3.	Dr. Sunita Mote	Member
4.	Dr. Dnyandev Kolhe	Member
5.	Miss. Nayana Kadale	Member
6.	Prof. Dr. Anilkumar Singh	Academic Council Nominee
7.	Prof. Dr. Sudhakar Shendge	Academic Council Nominee
8.	Prof. Dr. Sadanand Bhosale	Vice-Chancellor Nominee
9.	Principal Dr. Shahabuddin Shaikh	Alumni
10.	Mr. Sanjay Shukla	Industry Expert

1. Prologue/ Introduction of the programme:

प्रस्तावना :

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उच्चतर शैक्षिक प्रणाली की गुणवत्ता में सकारात्मक सुधार को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम को योजनाबद्ध, उद्देश्यपूर्ण, प्रगतिशील और व्यवस्थित प्रक्रिया के द्वारा उसमें सुधार और बदलाव की प्रक्रिया को प्राथमिकता दी गई है। निरंतर बदलते सामाजिक मूल्यों और नवीनतम विकास के साथ समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु पाठ्यक्रम को एक निश्चित अवधि और प्रक्रिया के अंतर्गत अद्यतन किया जाता है।

हिंदी साहित्य के स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम के निर्माण के संदर्भ में गठित समिति अर्थात हिंदी अध्ययन मंडल इस पाठ्यक्रम को प्रस्तुत करते हुए हर्ष के साथ प्रसन्नता की अनुभूति कर रहा है। संबंधित पाठ्यक्रम को लागू करते समय समिति के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझावों को पूरी गंभीरता के साथ इसमें समाविष्ट किया गया है। पाठ्यक्रम का गठन करते समय अन्य विश्वविद्यालयों, संस्थानों, शिक्षण संस्थाओं के साथ प्राध्यापकों के महत्वपूर्ण सुझावों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय और वैश्विक दृष्टिकोन को भी सम्मिलित करने का प्रयास किया गया है।

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय का पाठ्यक्रम अपने आपमें उत्कृष्ट और स्तरीय है। फिर भी स्वायत्त महाविद्यालय के नियमों को ध्यान में रखते हुए कुछ परिवर्तन अवश्यंभावी है। अतः पाठ्यक्रम में किए गए परिवर्तन इस तथ्य की पुष्टि करते हैं।

स्नातक प्रतिष्ठा पाठ्यक्रम की संरचना विद्यार्थियों में साहित्य विश्लेषण, गुण-अवगुणों के अवलोकन की दृष्टि और साहित्यिक रचना को समझकर समझाने की क्षमता को विकसित करती है। जिससे विद्यार्थी साहित्य के उद्देश्य से भली-भाँति परिचित होने में सफल होता है। वास्तव में चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिंदी साहित्य के पाठ्यक्रम की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। पाठ्यक्रम का उपयोग करने वाली संस्थाएँ और व्यक्ति इसके माध्यम से क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर शैक्षिक प्रतियोगिताओं में स्वयं को सिद्ध करने में सक्षम बने यह भी प्राथमिक उद्देश्य ध्यान में रखा जाता है।

भाषागत विविधता के बावजूद हिंदी भाषा भारत की एक प्रमुख भाषा तो है ही साथ ही उसे संविधान में राजभाषा का भी दर्जा प्राप्त है। मानक हिंदी भाषा के अंतर्गत इसकी अनेक बोलियाँ भी सम्मिलित हैं। हिंदी भाषा की इन बोलियों का साहित्य भी इसे समृद्ध कर रहा है। इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रम की रूपरेखा निर्मित की गई है। हमें पूरा विश्वास है कि इसमें सम्मिलित पाठों के अध्ययन से विद्यार्थी का विवेक विकसित होगा और उसमें विश्लेषण करने की क्षमता भी विकसित होगी।

सूचना और प्रौद्योगिकी के इस युग में यह पाठ्यक्रम रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य करेगा और विद्यार्थी के जीविकोपार्जन में भी यह भली-भाँति सहयोग प्रदान करेगा। अधिगम परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली में सुझाए गए पाठ्यक्रमों को नवाचार की दृष्टि से लागू करने का प्रयास किया गया है जो निश्चित ही संपूर्ण समाज के लिए लाभकारी होगा और यही इस पाठ्यक्रम निर्माण की सार्थकता मानी जा सकती है।

2. Programme outcomes (Pos) (B.A. Hindi)

पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम :

स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम संबद्ध अधिगम परिणाम निम्न प्रकार से हैं -

1. हिंदी साहित्य और भाषा के संबंध में विद्यार्थियों को व्यवस्थित, तर्कसंगत ज्ञान कराना। जिससे उन्हें साहित्य के सैद्धांतिक पक्ष और साहित्यिक विकास के संबंध में पर्याप्त जानकारी मिल सके।
2. हिंदी साहित्य के प्रति छात्रों में रुचि बढ़ाना तथा उनमें साहित्य की विभिन्न विधाओं को पढ़ने और समझने की योग्यता का विकास कराना।
3. क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक परिदृश्य के विशाल नेटवर्क के बारे में जानकारी देते हुए विद्यार्थियों में साहित्यिक मूल्यांकन की योग्यता विकसित कराना।
4. विद्यार्थियों में हिंदी साहित्य के अध्ययन के प्रति उत्सुकता और जिज्ञासा उत्पन्न करने हेतु एक समग्र दृष्टि और सुव्यवस्थित दृष्टिकोन का विकास कराना।
5. विद्यार्थियों के प्रत्येक स्तर पर जीवन मूल्यों और साहित्यिक मूल्यों का निर्धारण करने की क्षमता और ज्ञान का विकास कराना।
6. विद्यार्थियों में लेखन, वाचन और श्रवण के साथ-साथ कल्पना शक्ति का विकास कराना, जिससे उनके समग्र व्यक्तित्व में निखार के साथ विकास हो सके।
7. विद्यार्थी की सर्जनात्मक शक्ति का विकास कराना ताकि वे अपने लेखन कौशल का परिचय देते हुए रचनात्मक कृतियों का निर्माण तथा कलात्मक कौशल का प्रदर्शन कर सके।
8. हिंदी साहित्य की उत्कृष्ट और कालजयी रचनाओं के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थियों के मानसिक, दार्शनिक और आध्यात्मिक पक्ष को सुदृढ़ करना तथा भारतीय जीवन पद्धति और देशप्रेम की भावना को विकसित करना।
9. साहित्य के अध्ययन के बाद रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों की पहचान करते हुए रोजगार के नए मार्ग तलाशना तथा रोजगारपरक हिंदी भाषा का ज्ञान कराना।
10. हिंदी भाषा के व्याकरणबद्ध रूप का परिचय कराना ताकि विद्यार्थियों में शुद्ध लेखन और वाचन की क्षमता का विकास हो सके।

3. Programme Structure and Course Titles: (All academic years)

Sr. No.	Class	Semester	Course Code	Course Title	Credits
1.	F.Y.B.A.	I	BA-HIN 101T	काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी Kavya, Kahani Tatha Vyavaharik Hindi CC-1A (G-1)	03
2.	F.Y.B.A.	II	BA-HIN 201T	काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी Kavya, Kahani Tatha Vyavaharik Hindi CC-1B (G-1)	03
3.	S.Y.B.A.	III	BA-HIN 301T	आधुनिक काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी Adhunik Kavya, Kahani Tatha Vyavaharik Hindi CC-1C (G-2)	03
4.	S.Y.B.A.	III	BA-HIN 302T	काव्यशास्त्र Kavyashastra DSE-1A (S-1)	03
5.	S.Y.B.A.	III	BA-HIN 303T	मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य Madhyayugin Kavya Tatha Upanyas Sahitya DSC-2A (S-2)	03
6.	S.Y.B.A.	III	BA-HIN 304T	अनुवाद : स्वरूप एवं व्यवहार Anuvad : Swarup Evam Vyavahar SEC-2A	02
7.	S.Y.B.A.	III	BA-HIN 305T	हिंदी भाषा शिक्षण Hindi Bhasha Shikshan AECC-1A MIL Hindi	02
8.	S.Y.B.A.	IV	BA-HIN 401T	आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य तथा व्यावहारिक हिंदी Adhunik Hindi Vyangya Sahitya Tatha Vyavharik Hindi CC-1D (G-2)	03
9.	S.Y.B.A.	IV	BA-HIN 402T	साहित्य के भेद Sahitya Ke Bhed DSE-1B (S-1)	03
10.	S.Y.B.A.	IV	BA-HIN 403T	मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य Madhyayugin Kavya Tatha Natak Sahitya DSC-2B (S-2)	03
11.	S.Y.B.A.	IV	BA-HIN 404T	माध्यम लेखन Madhyam Lekhan SEC-2B	02

12.	S.Y.B.A.	IV	BA-HIN 405T	Hindi Bhasha Shikshan AECC-1B MIL Hindi	02
13.	T.Y.B.A.	V	BA-HIN 501T	कथेतर विधाएँ Kathetar Vidhayen CC-1E (G-3)	03
14.	T.Y.B.A.	V	BA-HIN 502T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल का सामान्य परिचय) Hindi Sahitya Ka Itihas (Adikal, Bhaktikal, Ritikal Ka Samanya Parichay) DSE-1C (S-3)	03
15.	T.Y.B.A.	V	BA-HIN 503T	भाषा विज्ञान (सामान्य परिचय) Bhasha Vigyan (Samanya Parichay) DSE-2C (S-4)	03
16.	T.Y.B.A.	V	BA-HIN 504T	पटकथा लेखन Patkatha Lekhan SEC-2C	03
17.	T.Y.B.A.	V	BA-HIN 505T	GE-01 - हिंदी भाषा की संरचना Hindi Bhasha Ki Sanrachana	03
18.	T.Y.B.A.	VI	BA-HIN 601T	ग़ज़ल विधा और पत्राचार Gazal Vidha Aur Patrachar CC-1F (G-3)	03
19.	T.Y.B.A.	VI	BA-HIN 602T	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल का सामान्य परिचय) Hindi Sahitya Ka Itihas (Adhunik Kal Ka Samanya Parichay) DSE-1D (S-3)	03
20.	T.Y.B.A.	VI	BA-HIN 603T	हिंदी भाषा और उसका विकास Hindi Bhasha Aur Uska Vikas DSE-2D (S-4)	03
21.	T.Y.B.A.	VI	BA-HIN 604T	साहित्य और फिल्मांतरण Sahitya Aur Filmantaran SEC-2D	03
22.	T.Y.B.A.	VI	BA-HIN 605T	GE-02 - कार्यालयीन और व्यावहारिक पत्राचार Karyalayin Aur Vyavaharik Patrachar	03

Ahmednagar Jilha Maratha Vidya Prasarak Samaj's
New Arts, Commerce and Science College, Ahmednagar (Autonomous)
Syllabus of S. Y. B. A. Hindi
under
Faculty of Arts and Humanities

Semester - III	**Paper - CC-1C (G-2)**
Course Code: BA-HIN 301T	**Title of the Course -** **Adhunik Kavya, Kahani Tatha Vyavaharik Hindi**
Credits: 03	**Total Lectures: 45 Hrs**

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : CC-1C (G-2) आधुनिक काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी (BA-HIN 301T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य साहित्य से परिचित कराना।
2. छात्रों को कहानी साहित्य से परिचित कराना।
3. छात्रों को हिंदी कारक-व्यवस्था समझाना।
4. शब्द युग्म का अर्थ लिखकर प्रत्यक्ष वाक्य में प्रयोग समझाना।
5. सारांश लेखन का प्रत्यक्ष बोध कराना।
6. सर्जनात्मकता का विकास कराना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**काव्य साहित्य :** 1. नाच - अज्ञेय 2. देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना 3. एकलव्य से संवाद - अनुज लुगुन 4. हॉकी खेलती लडकियाँ - कात्यायनी 5. कूड़ा बीनते बच्चे - अनामिका उक्त रचनाओं का कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15

इकाई - II	**कहानी साहित्य :** 1. धरती अब भी घूम रही है - विष्णु प्रभाकर 2. दूसरे - कमलेश्वर 3. सजा - मन्नु भंडारी 4. सलाम - ओमप्रकाश वाल्मिकी 5. छावनी में बेघर - अल्पना मिश्र उक्त रचनाओं का कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15
इकाई - III	**साहित्येतर पाठ्यक्रम :** 1. हिंदी कारक व्यवस्था 2. शब्द युग्म (50) अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग। 3. संक्षेपण।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी साहित्य और भाषा - संपादक हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, परिदृश्य प्रकाशन, मुंबई

2. हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।

3. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका - कैलाशनाथ पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

Semester - III	Paper - DSE-1A (S-1)
Course Code: BA-HIN 302T	Title of the Course - Kavyashastra
Credits: 03	Total Lectures: 45 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : DSE-1A (S-1) काव्यशास्त्र (सामान्य) (BA-HIN 302T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना।
2. काव्य परिभाषा, तत्व आदि अवगत कराना।
3. काव्य के तत्व, शब्द-शक्तियों का परिचय देना।
4. रस का स्वरूप समझाना।
5. भारतीय काव्यशास्त्र में रुचि पैदा करना तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित कराना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	काव्य - परिभाषा (संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी) काव्य हेतु - प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास, समाधि। काव्य प्रयोजन (भारतीय)	15
इकाई - II	काव्य के तत्व - भाव तत्व, बुद्धि तत्व, कल्पना तत्व, शैली तत्व। शब्द शक्ति - परिभाषा, स्वरूप, शब्द-शक्तियों का सोदाहरण परिचय - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।	15
इकाई - III	रस - परिभाषा, स्वरूप रस के अंग - स्थायी भाव, विभाव भाव, अनुभाव, संचारी भाव। रसों का सोदाहरण परिचय - शृंगार, वीर, हास्य, करुण।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
3. भारतीय काव्यशास्त्र - विश्वंभरनाथ उपाध्याय
4. भारतीय साहित्यशास्त्र - आ. बलदेव उपाध्याय
5. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड 1 और 2) - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत
6. काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेंद्र
7. भारतीय काव्यशास्त्र - सत्यदेव चौधरी

Semester - III	Paper - DSC-2A (S-2)
Course Code: BA-HIN 303T	Title of the Course - Madhyayugin Kavya Tatha Upanyas Sahitya
Credits: 03	Total Lectures: 45 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : DSC-2A (S-2) मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य (BA-HIN 303T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. कबीर के साहित्य का परिचय देना।
2. मीराबाई के काव्य से अवगत कराना।
3. भारतीय उपन्यास की अवधारणा समझाना।
4. उपन्यास कृति की मूल्यांकन कला विकसित करना ।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**कबीर के 20 दोहे** **i) गुरुदेव को अंग** 1. सतगुर की महिमा अनंत, अनंत किया उपगार। लोचन अनंत उघाडिया, अनंत दिखावणहार।। 2. पीछे लागा जाइ था, लोक वेद के साथी आगे थे सतगुर मिल्या, दीपक दिया हाथी । 3. जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध। अंधा अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पड़ंत ।। 4. माया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवै पड़त। कहै कबीर गुर ग्यान थै, एक आध उबरंत ।। 5. सतगुर हम सूँ रीझि करि, एक कहया प्रसंग बरस्या बादल प्रेम का भीजि गया सब अंग।।	15

ii) विरह को अंग

1. बहुत दिनन की जोबती, बाट तुम्हारी राम।
जिव तरसै तुझ मिलन कूँ मनि नाहीं विश्राम ।।
2. यहु तन जालौ मसि करौं, लिखौं राम का नाउँ ।
लेखणि करूँ करंक की लिखि लिखि राम पठाउँ।।
3. अंषड़ियाँ झाई पड़ी, पंथ निहारि निहारि।
जीभड़ियाँ छाला पड़या, राम पुकारि पुकारि ।।
4. परबति, परबति में फिरया, नैन गँवाये रोइ ।
सो बूटी पाऊँ नहीं, जातें जीवनि होइ ।।
5. सुखिया सब संसार है, खायँ अरू सोवै।
दुखिया दास कबीर है, जागै अरू रोवै ।।

iii) माया कौ अंग

1. कबीर माया पापणीं फंध लै बैठि हाटि ।
सब जग तौ फंधै पड़या, गया कबीरा काटि।।
2. कबीर माया मोहनी, जैसी मीठी खाँड।
सतगुर की कृपा भई, नहीं तौ करती भांड ।।
3. माया मुईन मन मुवा, मरि मरि गया सरीर ।
आसा तिष्णाँ नाँ मुई, यौं कहि गया कबीरा ।।
4. कबीर सो धन संचिए, जो आगैं कूँ होई ।
सीस चढ़ाए पोटली, ले जात न देख्या कोई ।।
5. कबीर माया मोह की भई अँधारी लोइ ।
जे सूते ते मुसि लिये, रहे बसत कूँ रोइ ।।

iv) निंद्या को अंग

1. निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणी बिना, निरमल करै सुभाइ ।।
2. कबीर आप ठगाइये, और न ठगिये कोइ ।
आप ठग्याँ सुख ऊपजैं, और ठग्या दुख होइ।।

v) कथनी बिना करनी को अंग

1. पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ ।

एकै अषिर पीव का, पढै सु पंडित होइ।।

vi) भेष को अंग

1. तन को जोगी सब करै, मन को बिरला कोइ ।

सब सिधि सहजै पाइए, जे मन जोगी होइ ।।

2. माला फेरत जुग भया, पाय न मन का फेर।

कर का मनका छाँड़ि दे, मन का मनका फेर।।

अध्ययनार्थ विषय :

- कबीर का व्यक्तित्व
- कबीर की प्रगतिशीलता
- कबीर की भक्तिभावना
- कबीर का समाजसुधार
- कबीर की भाषा
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।

इकाई - II **मीराबाई के 10 पद (आरंभ के 10 पद)** 15

1. मण थें परस हरि रे चरण ।।
2. तनक हरि चितवां म्हारी ओर।।
3. म्हारो गोकुल रो ब्रजवासी ।।
4. हे मा बड़ी बड़ी अंखियान वारो, सांवरो मो तन हेरत हंसिके ।।
5. हेरी मा नंद को गुमानी म्हारे मनड़े बस्यो।।
6. थारो रूप देख्यां अटकी ।।
7. निपट बंकट छब अंटके ।।
8. म्हा मोहणो रूप लुभाणी ।।
9. संवरा नंद नंदन, दीठ पड़यां माई ।।
10. आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी।।

अध्ययनार्थ विषय :

- मीराबाई का व्यक्तित्व, कृतित्व
- मीराबाई की भक्ति
- मीराबाई की प्रगतिशीलता
- मीराबाई की भाषा
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।

इकाई - III	उपन्यास : स्वरूप, तत्व। उपन्यास कृति : एक पत्नी के नोटस - ममता कालिया लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व कथ्यगत अध्ययन, शिल्पगत अध्ययन।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. कबीर ग्रंथावली - संपा. श्यामसुंदरदास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. एक पत्नी के नोटस - ममता कालिया, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. मीराबाई की पदावली - संपा. परशुराम चतुर्वेदी
5. साहित्य और मानवीय संवदेना - डॉ. सदानंद भोसले

Semester - III	Paper - SEC-2A
Course Code: BA-HIN 304T	Title of the Course - Anuvad : Swarup Evam Vyavahar
Credits: 02	Total Lectures: 30 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : SEC-2A अनुवाद : स्वरूप एवं व्यवहार (BA-HIN 304T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. अनुवाद कौशल से छात्रों को अवगत कराना।
2. अनुवाद का स्वरूप समझाना।
3. अनुवाद क्षेत्र से परिचय कराना।
4. हिंदी से मराठी में प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य कराना।
5. अंग्रेजी से हिंदी, मराठी में अनुवाद कौशल का विकास कराना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	1. अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप 2. अनुवाद प्रक्रिया के सोपान 3. अनुवादक के गुण 4. अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएँ। 5. तकनीकी अनुवाद : संक्षिप्त परिचय	15
इकाई - II	1. अनुवाद : प्रत्यक्ष व्यवहार 2. मराठी वाक्यों का हिंदी अनुवाद। 3. अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी अनुवाद 4. मराठी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद । 5. अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. अनुवाद की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार
2. अनुवाद कला - भोलानाथ तिवारी
3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ - डॉ. श्रीनारायण समीर
4. अनुवाद और अनुप्रयोग - डॉ. दिनेश चमोला
5. अनुवाद के भाषिक पक्ष - विभा गुप्ता
6. प्रयोजनमूलक हिंदी - प्रो. माधव सोनटक्के

Semester - III	Paper - SEC-2A
Course Code: BA-HIN 305T	Title of the Course - MIL Hindi Bhasha Shikshan
Credits: 02	Total Lectures: 30 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : AECC-1A MIL Hindi हिंदी भाषा शिक्षण (BA-HIN 305T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों में हिंदी भाषा श्रवण कौशल विकसित करना।
2. छात्रों में हिंदी भाषा संवाद कौशल विकसित करना।
3 छात्रों में हिंदी भाषा वाचन कौशल विकसित करना।
4. छात्रों में हिंदी भाषा लेखन कौशल विकसित करना।
5. हिंदी भाषा-विधि तथा भाषा-व्यवहार से अवगत करना।
6. लघुकथा सृजन कौशल विकसित करना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**वर्ण विचार :** 1. हिंदी वर्णमाला - परिचय 2. लिपि - परिचय 3. वर्णों का उच्चारण और वर्गीकरण 4. संज्ञा और संज्ञा प्रकार : i. जातिवाचक, ii. व्यक्तिवाचक, iii. भाववाचक, iv. समूहवाचक, v. द्रव्य वाचक। 5. कहावतें / लोकोक्तियाँ - 10	15
इकाई - II	**भाषा कौशल शिक्षण :** लघुकथाओं द्वारा भाषा कौशल शिक्षण (श्रवण, संवाद, वाचन, लेखन) 1. शिक्षा - ज्योति जैन	15

2. पानी के पेड - ज्योति जैन
3. पशुभाषा - ज्योति जैन
4. अपशगुन - ज्योति जैन
5. ममता - डॉ. लता अग्रवाल
6. गरीब का लंच बॉक्स - डॉ. लता अग्रवाल
7. मैं ही कृष्ण हूँ - डॉ. लता अग्रवाल
8. सत्य की अग्नि परीक्षा - डॉ. लता अग्रवाल

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी भाषा शिक्षण - संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।

Semester - IV	Paper - CC-1D (G-2)
Course Code: BA-HIN 401T	Title of the Course - Adhunik Hindi Vyangya Sahitya Tatha Vyavharik Hindi
Credits: 03	Total Lectures: 45 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : CC-1D (G-2) आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य तथा व्यावहारिक हिंदी (BA-HIN 401T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों को व्यंग्य काव्य पाठ से परिचित कराना।
2. छात्रों को व्यंग्य कहानी पाठ का बोध कराना।
3. साक्षात्कार कला से अवगत कराना।
4. भाषा से संबंधित ऍप्स से परिचित कराना।
5. पल्लवन से अवगत कराना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**काव्य पाठ (व्यंग्य) :** 1. तीनों बंदर बापू के - नागार्जुन 2. बात बतंगड़ - काका हाथरसी 3. तीली - उदय प्रकाश 4. बौनों की दुनिया - गिरिजाकुमार माथुर 5. देश के लिए नेता - शैल चतुर्वेदी उक्त रचनाओं का कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।	15
इकाई - II	**कहानी पाठ (व्यंग्य) :** 1. प्रेम की बिरादरी - हरिशंकर परसाई 2. अफसर - शरद जोशी 3. सावधान! हम ईमानदार हैं - घोंघी लतिफ	15

4. मुख्यमंत्री का डंडा - सुदर्शन
5. झोले - सुभाष काबरा

उक्त रचनाओं का कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन।

इकाई - III **साहित्येतर पाठ्यक्रम :** 15

1. साक्षात्कार
2. भाषा से संबंधित ऍप्स
3. पल्लवन।

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. 'हिंदी साहित्य और भाषा' - संपादक हिंदी अध्ययन मडंल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशक, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप - डॉ. राजेंद्र मिश्र, राकेश शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम -डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर।
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन -डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर।

Semester - IV	Paper - DSE-1B (S-1)
Course Code: BA-HIN 402T	Title of the Course - Sahitya Ke Bhed
Credits: 03	Total Lectures: 45 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : DSE-1B (S-1) साहित्य के भेद (BA-HIN 402T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों को साहित्य के भेद से अवगत कराना।
2. छात्रों को पद्य के भेद से अवगत कराना।
3. महाकाव्य, खंडकाव्य और मुक्तक काव्य का परिचय कराना।
4. नाटक का स्वरूप समझाना।
5. छात्रों में नाट्य अभिनय की रुचि विकसित कराना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	काव्य के विविध भेद । पद्य के भेद : प्रबंध काव्य और मुक्तक काव्य का स्वरूप। प्रबंध काव्य के भेद : महाकाव्य और खंडकाव्य, मुक्तक काव्य का परिचय।	15
इकाई - II	गद्य के भेद : कहानी, उपन्यास, निबंध आदि का तात्विक परिचय। कहानी और उपन्यास में अंतर।	15
इकाई - III	दृश्य काव्य : नाटक की परिभाषा और तत्व एकांकी : परिभाषा और तत्व नाटक के भेद : रेडियो नाटक, दूरदर्शन नाटक, मंचीय नाटक, काव्य नाटक तथा अन्य।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
3. नाट्यलोचन - डॉ. माधव सोनटक्के
4. भारतीय साहित्यशास्त्र - आ. बलदेव उपाध्याय
5. रंगदर्शन- नेमिचंद्र जैन
6. हिंदी नाटक उद्भव और विकास - दशरथ ओझा
7. समीक्षा शास्त्र - डॉ. दशरथ ओझा
8. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
9. आलोचना : प्रकृति और परिवेश - डॉ. तारकानाथ बाली
10. आ. शुक्ल के समीक्षा सिद्धांत - डॉ. रामलाल सिंह
11. इतिहास और आलोचना - डॉ. नामवर सिंह
12. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
13. हिंदी आलोचना - विश्वनाथ त्रिपाठी
14. हिंदी नाट्य विमर्श - डॉ. सदानंद भोसले
15. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - गणपतिचंद्र गुप्त
16. काव्यशास्त्र - चंद्रभानु वेदालंकार

Semester - IV	Paper - DSC-2B (S-2)
Course Code: BA-HIN 403T	Title of the Course - Madhyayugin Kavya Tatha Natak Sahitya
Credits: 03	Total Lectures: 45 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : DSC-2B (S-2) मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य (BA-HIN 403T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. रहीम के काव्य का बोध कराना।
2. बिहारी की काव्य अभिव्यंजना समझाना।
3. हिंदी नाटक और रंगमंच से अवगत कराना।
4. छात्रों में अभिनय गुण विकसित कराना।
5. नाट्यालोचना से अवगत करना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	रहीम के 20 दोहे	15

i) भक्ति

1. समय दशा कुल देखि कै सबै करत सनमान।
रहिमन दीन अनाथ को, तुम बिन को भगवान ।।
2. रहिमन को कोड का करै, ज्वारी, चोर, लबार ।
जो पति राखनहार है, माखन चाखनहार।।
3. जेहि रहीम तनम न लियो, कियो हिए बिचभौन।
तासों दुख सुख कहन की रही बात अब कौन।।
4. गहि सरनागति राम की भव सागर की नाव।
रहिमन जगत उधार कर, और न कछु उपाव।।

ii) संगति का प्रभाव

1. जो रहीम उत्तम प्रकृति का करि सकत कुसंग।
चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग ।।
2. मूढ़ मंडली में सुजन, ठहरत नहीं बिसेषि।
स्याम कंचन में सेत ज्यों, दूरि कीजिअत देखि।।
3. यह रहीम निज संग लै जनमत जगत न कोय।
बैर, प्रीति, अभ्यास, जस होत होत ही होय।।
4. रहिमन उजली प्रकृत को नहीं नीच को संग
करिया बासन कर गहे, कलिख लागत अंग ।।

iii) दीनता और बड़प्पन

1. जे गरीब पर हित करें, ते रहीम बड़ लोग।
कहा सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग ।।
2. थोड़ो किए बड़ेन की बड़ी बड़ाई होय।
ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरिधर कहत न कोय।।
3. दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखै न कोय।
जो रहीम दीनहिं लखें, दीनबंधु सम होय।।
4. रहिमन देखि बड़ेन को लघु न दीजिये डारि
जहाँ काम आवें सुई, कहा करे तननारि ।।

iv) नीति

1. खैर, खून खाँसी, खुसी, वैर, प्रीति, मद-पान।
रहिमन दाबे न दबै, जानत सकल जहान ।।
2. रूठें सुजन मनाइए, जो रूठें सो बार।
रहिमन फिर फिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार ।।
3. दानों रहिमन एक से जौ लौ बेलत नाहिं।
जान परत हैं काक पिंक, ऋतु बसंत के माहिं।
4. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय।
रहिमन फटे दूध को, मथे न माखन होय।।

v) संत महिमा

1. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहि न पान
कहि रहीम, पर-काज हित, संपति संचहिं सुजान।।
2. मथत मथत माखन, दही-मही बिलगाय।

रहिमन सोई मीत है, भीर परे ठहराय।।

3. रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं।

उनते पहले वे मरे, जिन मुख निकसत नाहिं ।।

4. दुरदिन परे रहीम कहि भूलत सब पहचानि

सोच नहीं वित-हानि को, जो न होय हित हानि ।।

अध्ययनार्थ विषय :

- रहीम का व्यक्तित्व, कृतित्व
- रहीम की भाषा
- रहीम की भक्तिभावना
- रहीम के काव्य की प्रासंगिकता
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।

इकाई - II **बिहारी के 20 दोहे** 15

i) नायक-नायिका वर्णन

1. मेरी भव बाधा हरौ राधानागरि सोई।

जा तन की झाई परै स्याम हरित दुति होइ ।।

2. कहत नटत रीझत खिजत मिलत खिलत लजियात।

भरे भौन में करत हैं नैननि में सब बात।।

3. नभ लाली चाली निसा चटकाली धुनि कीन।

रति पाली आळी अनत आये बनमाली न।।

4. सघन कुंज घन घन तिमिन अधिक अंधेरी राति।

तऊन दुरिहै स्याम यह दीप सिखा सी जाति ।।

5. सोहत ओढ़े पीत पट स्याम सलौने गात।

मनौ नीलमनि सैल पर आतप परयौ प्रभात।।

ii) संयोग-श्रृंगार वर्णन

1. प्रीतम दृग मिहिचत प्रिया पानि परस सुख पाय।

जानि पिछानि अजान लौं नैकु न होति जनाय।।

2. लटकि लटकि लटकन चलत डटत मुकुट की छाँह

चटक भरयौ नट मिल गयौ अटक भटक मन माँह।।

3. चिरजीवी जोरी जुरै क्यों न सनेह गंभीर।

को घटि ये वृषभानजा वे हलधर के वीर ।।

4. मन न धरति मेरौ कहयौ तू आपने सयान।

अहे परनि परि प्रेम की परहथ पार न प्रान।।

5. लाल तिहारे विरह की अगनि अनूप अपार ।

सरसै बरसै नीरहूँ झरहूँ मिटे न झार।।

iii) सिख-नख वर्णन

1. अंग अंग नग जगमगत दीप सिखा सी देह।

दिया बढ़ायेहू रहे बढी उजेरो गेह।।

2 पहिर न भूखन कनक के कहि आवतु इहि हेत।

दर्पन के से मोरचा देह दिखाई देत।।

3. छकि रसाल सौरभ सने मधुर माधुरी गंध।

ठौर ठौर झौरत झैंपत झार झौर मधु अंघ ।।

4. पावस घन अँधियार में रहयौ भेद नहिं आन।

राति द्यौस जान्यौ परै लखि चकई चकवान।।

5. दिस दिस कुसमित देखिये उपबन बिपिन समाज।

मनहु बियोगिनि को कियो सर पंजर रितुराज ।।

iv) नवरस-इत्यादि वर्णन

1. नहिं पराग नहि मधुर मधु नहि विकास इहिं काल

अली कली ही तें बँध्यौ आगे कौन हवाल।।

2. कनक कनक तें सौगुनी मादिकता अधिकाइ।

उहि खाये बौराइ जग इहिं पाये बौराइ ।।

3. जप माला छापे तिलक सरै न एकौ काम।

मन काचै नाचै वृथा साँचे राम।।

4. तज तीरथ हरि राधिका तन दुति कर अनुराग

जिहि ब्रज केलि निकुंज मग पग पग होत प्रयाग।।

5. जगत जनायौ जिहिं सकल सो हरि जान्यी नाहिं।

ज्यों आखनि सब देखिये आँख न देखी जाहि।।

अध्ययनार्थ विषय :

- बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- बिहारी की प्रासंगिकता
- बिहारी की अलंकार योजना
- बिहारी की भाषा
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन।

इकाई - III	नाटक : स्वरूप, तत्व। नाटक कृति : सिंहासन खाली है - सुशील कुमार सिंह लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व कथ्यगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन।	15

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. बिहारी सतसई - संपा. लल्लू जी लाल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी काव्य सौरभ - संपा. कन्हैयालाल सहगल, एच. एच. एण्ड कंपनी, नई दिल्ली
3. रंगभाषा - नेमिचंद्र जैन
4. नाटक और रंगमंच - संपा. गिरीश रस्तोगी
5. सिंहासन खाली है - सुशील कुमार सिंह
6. नाट्यालोचन - डॉ. माधव सोनटक्के
7. हिंदी नाट्य विमर्श - संपा. सदानंद भोसले

Semester - IV	Paper - SEC-2B
Course Code: BA-HIN 404T	Title of the Course - Madhyam Lekhan
Credits: 02	Total Lectures: 30 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : SEC-2B माध्यम लेखन (BA-HIN 404T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों को माध्यम लेखन से परिचित कराना।
2. सृजनात्मक लेखन कौशल विकसित कराना।
3. माध्यम लेखन से अवगत कराना।
4. श्रव्य-दृश्य माध्यमों की भाषा से अवगत कराना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**माध्यम लेखन : सैद्धांतिक पक्ष** 1. माध्यम का स्वरूप 2. अवधारणा 3. महत्व एवं उद्देश्य 4. माध्यम एवं विधा परिचय : i) मुद्रित माध्यम, ii) श्रव्य माध्यम, iii) दृश्य-श्रव्य माध्यम, iv) नव-माध्यम : कंटेंट लेखन, ब्लॉग लेखन।	15
इकाई - II	**माध्यम लेखन : फीचर लेखन** 1. फीचर की परिभाषा एवं अवधारणा 2. सामग्री संकलन स्रोत 3. फीचर के तत्व :- विषय वस्तु, प्रस्तावना, शीर्षक, विवेचन, छायांकन। 4. फीचर लेखन के गुण ; i) विश्वसनीयता ii) सरसता एवं सहजता iii) रोचकता एवं संक्षिप्तता iv) प्रासंगिकता v) प्रचलित शब्दावली का प्रयोग।	15

5. फीचर और अन्य विधा में भेद : समाचार, आलेख

6. फीचर के विभिन्न प्रकार : समाचार फीचर, घटना परक फीचर, सांस्कृतिक फीचर, चिंतन परक फीचर, साहित्यिक फीचर, फोटो फीचर।

7. रेडियो फीचर, टेलीविजन फीचर।

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. भाषा प्रोद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन - सूर्यप्रकाश दीक्षित
2. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद - डॉ. माधव सोनटक्के
3. संप्रेषण और रेडियो शिल्प विश्वनाथ पांडे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
5. वाणी संचार रेडियो प्रसारण - डॉ. सुनिल केशव देवधर
6. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प - डॉ. मोहन प्रभाकर
7. फीचर लेखन - पी. के. आर्य
8. रूपक लेखन - ब्रजभूषण सिंह
9. फीचर लेखन - विजय कुलश्रेष्ठ
10. मीडिया लेखन - मोहन सुमित
11. रेडियों वार्ता शिल्प - सिद्धनाथ कुमार
12. टेलीविजन लेखन : सिद्धांत और प्रयोग - कुमुद नागर
13. हिंदी फीचर : स्वरूप और विकास - डॉ. सुनील डहाले
14. साहित्य और सिनेमा - संपा. पुरुषोत्तम कुंदे
15. सिनेमा और फिल्मांतरीत हिंदी साहित्य - डॉ. गोकुळ क्षीरसागर
16. हिंदी साहित्य और फिल्मांकन - डॉ. रामदास तोंडे

Semester - IV	Paper - AECC-1B
Course Code: BA-HIN 405T	Title of the Course - MIL Hindi Bhasha Shikshan
Credits: 02	Total Lectures: 30 Hrs

द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : AECC-1B MIL Hindi हिंदी भाषा शिक्षण (BA-HIN 405T)

Course Outcomes (Cos) :

उद्देश्य :

1. छात्रों में हिंदी भाषा श्रवण कौशल विकसित करना।
2. छात्रों में हिंदी भाषा संवाद कौशल विकसित करना।
3 छात्रों में हिंदी भाषा वाचन कौशल विकसित करना।
4. छात्रों में हिंदी भाषा लेखन कौशल विकसित करना।
5. हिंदी भाषा-विधि तथा भाषा-व्यवहार से अवगत करना।

Detailed Syllabus: (पाठ्यक्रम)

Units इकाई	Topics पाठ्य विषय	Lectures तासिका
इकाई - I	**वाक्य विचार : वाक्य और वाक्य के भेद** 1. साधारण वाक्य 2. मिश्र वाक्य 3. संयुक्त वाक्य 4. संक्षिप्त वाक्य 5. विशेष प्रकार के वाक्य (विधानार्थक, प्रश्नार्थक, निषेधवाचक, आज्ञार्थक, विस्मयादिबोधक, इच्छाबोधक, संदेशसूचक, संकेतार्थक) 6. विरामचिह्न।	15
इकाई - II	**भाषा कौशल शिक्षण :** गोपालदास नीरज के काव्य-गीत (08 गीत) द्वारा श्रवण, संवाद, वाचन, लेखन कौशल शिक्षण। 1. आदमी हूँ आदमी से प्यार करता हूँ... 2. जैसे राधा ने माला जपी श्याम की	15

3. फूलों के रंग से, दिल की कलम से
4. खिलते हैं गुल यहाँ, खिलके बिखरने को
5. जीवन की बगिया महकेगी, लहकेगी, चहकेगी
6. लिखे जो खत तुझे, वो तेरी याद में
7. आज मदहोश हुआ जाए रे, मेरा मन
8. स्वप्न झरे फूल से, मीत चुभे शूल से।

Suggested Readings:

संदर्भ ग्रंथ सूची :

1. हिंदी भाषा शिक्षण - संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली।
3. प्रयोजनमूलक हिंदी - डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।